

प्रीलिमिंस फैक्ट्स: 8 नवंबर, 2019

- नौसैनिक अभ्यास 'समुद्र शक्ति'
- बमिस्टेक बंदरगाह सम्मेलन
- कालापानी कक्षेत्र
- रानौंग बंदरगाह
- बंगाल वभिाजन

नौसैनिक अभ्यास 'समुद्र शक्ति'

Maritime Exercise 'Samudra Shakti'

हाल ही में भारतीय और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच नौसैनिक अभ्यास 'समुद्र शक्ति' (Samudra Shakti) का आयोजन किया गया।



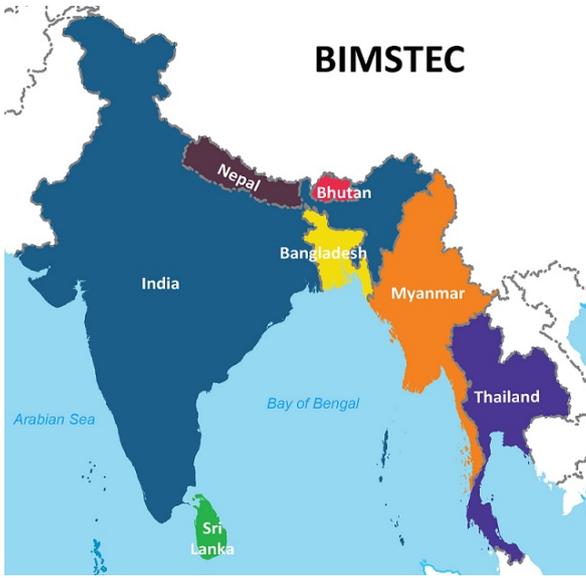
समुद्र शक्ति:

- इस अभ्यास का आयोजन बंगाल की खाड़ी में किया गया।
- इसमें भारतीय नौसेना का पनडुबबी रोधी युद्धक कॉरवेट- आईएनएस कमोर्ता (INS KAMORTA) और इंडोनेशियाई युद्धक जहाज़ केआरआई उस्मान हारून (KRI Usman Haroon) भाग ले रहे हैं।
- 12 नवंबर, 2018 को भारत और इंडोनेशिया के बीच पहले द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'समुद्र शक्ति' का आयोजन किया गया था।
- इस संयुक्त युद्धाभ्यास में आपसी तालमेल (Co-operation), युद्धाभ्यास, वायु रक्षा अभ्यास, फायरिंग ड्रिल, हेलिकॉप्टर संचालन एवं बोर्डिंग ऑपरेशन शामिल हैं।

बमिस्टेक बंदरगाह सम्मेलन

BIMSTEC Port Conclave

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में जहाज़रानी मंत्रालय द्वारा पहले 'बमिस्टेक बंदरगाह' सम्मेलन (BIMSTEC Port Conclave) का उद्घाटन किया गया।



बमिस्टेक बंदरगाह सम्मलेन

- इस सम्मेलन का उद्देश्य आयात-नरियात तथा तटीय जहाज़रानी को प्रोत्साहति कर आर्थिक सहयोग बढ़ाने की संभावना को तलाशना है।
- BIMSTEC के सभी सात सदस्य देशों के साथ-साथ व्यापार और वभिन्न जहाज़रानी संघों के वरषिठ अधिकारियों ने भी इस दो दविसीय सम्मेलन में भाग लिया।
- सम्मेलन के दौरान पाँच सत्र हुए-
 - पहले सत्र का उद्देश्य बंदरगाहों पर आधारति 'औद्योगिक और पर्यटन वकिस' के क्षेत्र को प्रोत्साहति करना तथा बंदरगाहों के नज़दीक औद्योगिक क्लस्टर वकिसति करने पर चर्चा करना था।
 - दूसरे सत्र का उद्देश्य- वसितार आपूर्ता शृंखलाओं और उपलब्ध समाधानों की पृष्ठभूमि में बंदरगाहों तथा टर्मिनलों की उभरती भूमिका पर चर्चा करना था।
 - तीसरे सत्र का उद्देश्य सुरक्षा खतरों पर चर्चा करना था तथा इस सत्र का वषिय (Theme) 'सुरक्षति और संरक्षति बंदरगाह' थी।
 - चौथा सत्र 'पोर्ट्स सर्वसिज़: डलिवरगि वैल्यू' (Ports Services: Delivering Value) पर आधारति था जसिका उद्देश्य कारोबारी सुगमता के लिये उठाये गए वभिन्न कदमों पर चर्चा हेतु एक मंच प्रदान करना है।
 - अंतमि सत्र 'ग्रीन पोर्ट ऑपरेशंस' अर्थात् पर्यावरण अनुकूल बंदरगाह संचालन पर आधारति था।

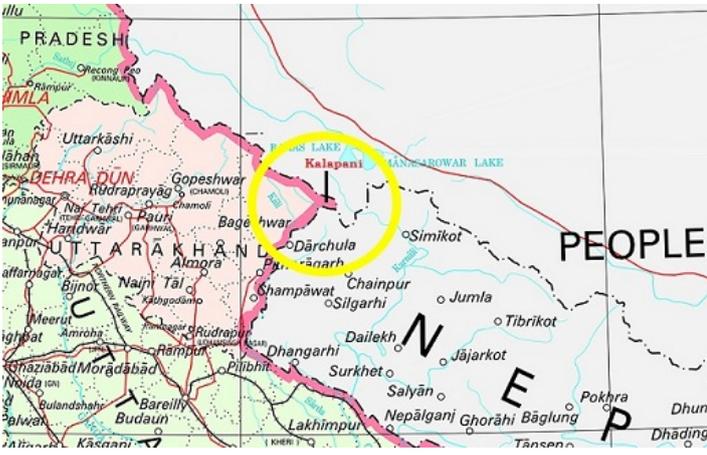
बमिस्टेक

- बमिस्टेक एक क्षेत्रीय संगठन है, जसिमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र और आसपास के सात देश (भारत, बांग्लादेश, म्याँमार, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान, नेपाल) शामिल हैं।
- यह संगठन क्षेत्रीय एकता का प्रतनिधित्व करता है।
- बमिस्टेक का उद्देश्य क्षेत्रीय संसाधनों और भौगोलिक लाभ का उपयोग करके आम हति के वभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग से व्यापार में तेज़ी लाना तथा वकिस को गति देना है।

कालापानी क्षेत्र

Kalapani Territory

हाल ही में भारत द्वारा जारी नए राजनीतिक मानचित्र में कालापानी क्षेत्र (Kalapani Territory) की सीमा को लेकर नेपाल ने औपचारिक वरिोध किया।



कालापानी

- कालापानी क्षेत्र भारतीयों के एक तीर्थस्थल के रूप में जाना जाता है ।
- इसके अलावा यह काली नदी का उद्गम स्थल भी है ।
- यही काली नदी कालापानी से भारत और नेपाल दोनों देशों का सीमांकन करती है जो आगे चलकर टनकपुर में शारदा नदी के नाम से जानी जाती है ।

रानोंग बंदरगाह

Ranong Port

हाल ही में भारत और थाईलैंड के रानोंग बंदरगाह (Ranong Port) के बीच आर्थिक सहयोग के लिये समझौते को अंतिम रूप दिया गया है ।



रानोंग बंदरगाह

- भारत और थाईलैंड के बीच नए समुद्री मार्ग को बढ़ावा देने के लिये पोर्ट अथॉरिटी ऑफ थाईलैंड (Port Authority Of Thailand- PAT) रानोंग पोर्ट को लॉजिस्टिक गेटवे के रूप में विकसित कर रहा है ।
- इसके साथ ही भारत और थाईलैंड के बीच समुद्री यात्रा का समय 10-15 दिन से घटकर 7 दिन रह जाएगा ।
- वर्तमान में मालवाहक जहाज़, मलेशिया के रास्ते होते हुए कृष्णापट्टनम बंदरगाह से चोन बुरी (Chon Buri) में चबांग बंदरगाह (Chabang Port) और बैंकॉक के बैंकॉक बंदरगाह तक की यात्रा करते हैं ।
- इस समुद्री मार्ग के विकसित हो जाने से रानोंग बंदरगाह भारतीय वस्तुओं के लिये मुख्य प्रवेश बंदु बनने की क्षमता रखता है ।
- समकालीन संदर्भ में भारत की एकट ईस्ट नीति (Act East Policy) की थाईलैंड की लुक वेस्ट नीति (Look West Policy) द्वारा सराहना की जाती रही है जिससे दोनों देशों के बीच गहरा, मज़बूत और बहुमुखी रिश्ता बन गया है ।
- थाईलैंड के पश्चिमी तट पर स्थित बंदरगाह (रानोंग बंदरगाह) और भारत के पूर्वी तट के बंदरगाहों, जैसे- चेन्नई, विशाखापत्तनम तथा कोलकाता के बीच सीधी कनेक्टिविटी से दोनों देशों के मध्य आर्थिक साझेदारी मज़बूत होगी ।

बंगाल वभिजन

Partition of Bengal

हाल ही में पश्चिमी बंगाल वरिष्ठ आयोग (West Bengal Heritage Commission) ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान हुए बंगाल विभाजन को सम्पत्ति एक संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

- संग्रहालय में बंगाल विभाजन के ऐतिहासिक तथ्यों तथा उसके प्रभावों को विस्तारपूर्वक प्रदर्शित किया जाएगा।
- संग्रहालय को अलीपुर जेल में स्थापित किया जाएगा जैसे अब एक वरिष्ठ भवन में बदला जा रहा है।
- वर्ष 1947 में भारत के विभाजन के कारण पाकिस्तान के निर्माण के दौरान बंगाल और पंजाब प्रांतों का विभाजन हुआ।
- इसने न केवल हिंसा को बढ़ावा दिया बल्कि मानव इतिहास के सबसे बड़े सामूहिक प्रवास का उदाहरण बना।
- विभाजन के बाद, बंगाल को पूर्वी बंगाल और पश्चिमी बंगाल में विभाजित किया गया।
- पूर्वी बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा बन गया और वर्ष 1956 में पूर्वी पाकिस्तान के रूप में इसका नामकरण किया गया।
- वर्ष 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध (Bangladesh liberation War) के बाद यह बांग्लादेश के रूप में यह एक स्वतंत्र राष्ट्र बना।
- प्रस्तावित संग्रहालय में विभाजन पर आधारित दस्तावेजों, लेखों, वृत्तचित्रों और फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा तथा उसके माध्यम से बंगाल विभाजन के कारण तथा उसके प्रभावों को दर्शाया जाएगा।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-8-november-2019>